an>

Title: Regarding some derogatory remarks made in an advertisement published in certain newspapers in Madhya Pradesh.

श्री कांति लाल भूरिया (रतलाम) : महोदया, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ कि आपने मुझे यहाँ बोलने का समय दिया। आज पूरे विश्व का आदिवासी दिवस है। अब सरकार तो बेखबर है।

माननीय अध्यक्ष : नहीं, बेखबर नहीं है।

श्री कांति लाल भूरिया : महोदया, अगर आपकी आसन्दी से आदिवासियों के लिए बधाई हो जाती तो बहुत अच्छा होता। आज देश में 12 करोड़ आदिवासी हैं। आज पूरे विश्व का आदिवासी दिवस है। इस अवसर पर अगर सभी आदिवासियों को शुभकामनाएँ दे देते तो हम सभी को बहुत अच्छा लगता। हमारे 50 से अधिक सांसद हैं। यह आदिवासियों के मामले में बहुत महत्वपूर्ण बात है। आज हम आदिवासियों को भूलकर बैठे हैं। आज प्रधान मंत्री जी मेरे क्षेत्र झाबुआ-अलीराजपुर में गए हैं। कल देर तक पार्लियामेंट चली थी। मैंने उनके यहाँ लिखकर दिया था कि मैं आपके साथ आ सकूँ, क्योंकि आप मेरे क्षेत्र में जा रहे हैं, लेकिन मुझे जवाब नहीं मिला और प्रधान मंत्री जी चले गए, चलिए कोई बात नहीं। वहाँ पर एक विज्ञापन छपा, उस विज्ञापन पर लिखा था कि प्रधान मंत्री जी आज जाकर आदिवासियों का उन्मूलन करेंगे।...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : महोदया, यह ठीक नहीं है।...(व्यवधान) इससे आदिवासियों की भावनाओं को ठेस पहुँची है।...(व्यवधान)

श्री कांति लाल भूरिया : महोदया, आप देखिए यह विज्ञापन छपा है।...(व्यवधान) यह उस विज्ञापन पर प्रधान मंत्री जी का फोटो है और यह उस पर लिखा हुआ है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप यह मत दिखाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री कांति लाल भूरिया : महोदया, यह बहुत दुःख की बात है।...(व्यवधान) आज पूरा देश दुखी है।...(व्यवधान) आदिवासियों का उन्मूलन करने का मतलब है कि आदिवासियों को जड़ से खत्म करना।...(व्यवधान) मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी का यह विज्ञापन है।...(व्यवधान) आप इसे देख लीजिए।...(व्यवधान) मैडम, आप मेरी बात सुनें।

माननीय अध्यक्ष : वह आपको बोलने दें तभी तो हम आपकी बात सुनें। आदिवासी का मुँह दबा रहे हो, क्या बात है? आप बोलिए।

श्री कांति लाल भूरिया : महोदया, आपने कृपा की है। आज आदिवासियों को आपकी आसन्दी से शुभकामना संदेश मिल जाए तो बहुत अच्छा होगा। पूरे विश्व के आदिवासियों को और मध्य प्रदेश में 12 करोड़ आदिवासी हैं तो उनको आपकी तरफ आशीर्वाद के रूप में यह मिल जाए।

दूसरी बात यह है कि मध्य प्रदेश से यह विज्ञापन आया है कि प्रधान मंत्री आज चन्द्रशेखर आजाद की जन्मभूमि जाकर आदिवासियों का उन्मूलन करेंगे। मतलब जड़ से खत्म कर देंगे? आदिवासियों को भूल जाएँगे? यह विज्ञापन है, इसमें प्रधान मंत्री जी का फोटो है। ...(व्यवधान) आज आदिवासियों का इतना अपमान? आज बधाई देने के बजाय ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह गलत हुआ है।

श्री कांति लाल भूरिया : आज आदिवासियों का विश्व दिवस है। वह उनका उन्मूलन करके खत्म करने की बात कर रहे हैं, तो यह गलत बात है। यहाँ होम मिनिस्टर बैठे हैं। वे इस बात की जाँच कराएँ और जिसने यह छापा है, जिन जिन के फोटो हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। यह आदिवासियों का अपमान है। आज यह विश्व के आदिवासियों का अपमान है। मध्य प्रदेश के 12 करोड़ तो हैं ही, पर उनके साथ इतनी बड़ी गलती! ...(व्यवधान) प्रधान मंत्री आज मेरे क्षेत्र में गए। क्या प्रधान मंत्री मुझे आज साथ ले जा नहीं सकते थे? मैंने यह लैटर कल लिखकर दिया है कि प्रधान मंत्री जी, आप कल आ रहे हैं, मैं आपके साथ आऊँगा क्योंकि आप मेरे क्षेत्र में जा रहे हैं, पर मुझे जवाब नहीं मिला। पार्लियामेंट लेट होने की वजह से मैं जा नहीं पाया। आज उस क्षेत्र के सांसद के साथ इतना बड़ा उन्होंने â€¦ * किया, आदिवासियों का अपमान किया? मैं वहाँ से आदिवासी सांसद हूँ, इसलिए मुझे उन्होंने वहाँ पर नैगलैक्ट किया? यह बड़े दुख की बात है। गृह मंत्री जी इसका जवाब दें। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप जाँच करें जो भी हुआ है।

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : माननीय अध्यक्ष महोदया, जहाँ तक आदिवासी समाज का प्रश्न है, भारत कभी भी आदिवासी समाज के योगदान को भूल नहीं सकता है। मैं यह मानता हूँ कि भारत की पहचान में बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन यदि किसी का है, तो वह आदिवासी समाज का है। मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि भारत की संस्कृति को एनरिच करने में, समृद्धशाली बनाने में बहुत बड़ा योगदान है तो हमारे आदिवासी समाज का है। यदि आज आदिवासी दिवस है तो उस अवसर पर मैं समस्त देश के आदिवासियों को दुनिया के दूसरे देशों में यदि हमारे आदिवासी बंधु रह रहे हैं, उनको भी मैं बधाई देना चाहता हूँ। मैं इतना आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ, हालांकि पोस्टर मैंने देखा नहीं है, उसको मैं देखूँगा और उस संबंध में मैं पता लगाकर जो कुछ भी होगा, स्पीकर महोदया को उसकी जानकारी दे दूँगा। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : गुप्ता जी प्लीज़ बैठिये। आप क्यों चिल्ला रहे हैं? आदिवासियों का सम्मान सब करते हैं, आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम स्पीकर, जब कभी भी ऐसे पंक्शंस होते हैं और किसी भी माननीय सदस्य की कांस्टीट्युएंसी में प्रधान मंत्री जी, गृह मंत्री जी या कोई भी मंत्री जाते हैं, तो कम से कम उनको इनफॉर्म करके, उनको भी विश्वास में लेकर उस पंक्शन को अटैंड करने की सुविधा देनी चाहिए। बहुत बार ऐसा होता है कि प्राइम मिनिस्टर खुद एम.पीज़ को लेकर जाते हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, हम आपकी बात समझ गए हैं, आप बैठिये।